वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक के दौरान माननीय कुलपति जी द्वारा उपस्थिति सदस्यों, विशेषज्ञों, किसानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों से चर्चा उपरान्त निम्न दिशा निर्देश दिये :–

दिनांक : 27.02.2019 – कृषि विज्ञान केन्द्र : रायपुर, महासमुन्द, गरियाबन्द, दुर्ग एवं बिलासपुर

- माननीय कुलपति जी ने स्मार्ट किसान ऐप के सुचारू संचालन हेतु कार्यालय निदेशक विस्तार सेवायें एवं प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र में एक नोडल अधिकारी नामित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुये हैं। माननीय कुलपति जी ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्र सबसे पहले स्वयं को स्मार्ट किसान ऐप में अपने सभी उत्पादों एवं उपलब्ध मात्रा के साथ रजिस्टर करें साथ ही जो मशीनें/यंत्र कृषि विज्ञान केन्द्र से किराये पर दे सकते हैं उसकी भी जानकारी ई–हाट ऐप में प्रदर्शित करें, जिसका लाभ उस क्षेत्र के किसानों को मिल सके।
- स्मार्ट किसान ऐप के किसानों/कृषि व्यवसायियों के बीच प्रचार– प्रसार हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित होने वाले सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कृषि मेला/कृषक संगोष्ठियों में इस ऐप के बारे में जानकारी देने के साथ ही इस दौरान अधिक से अधिक किसानों/कृषि व्यवसायियों को इस ऐप में रजिस्टर करने हेतु निर्देशित किया है।
- डॉ. सक्सेना के स्मार्ट किसान ऐप के प्रस्तुतिकरण के दौरान इस ऐप के माध्यम से पूछे जाने वाले सभी समस्याओं एवं प्रश्नों का निदान नहीं होने की जानकारी दी गई। इस संबंध में माननीय कुलपति जी ने निर्देश दिया कि सभी प्रश्न जिलेवार संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्रों को जाना चाहिये, जहां संबंधित वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एक दिन की समय सीमा में प्रत्युत्तर देने हेतु जवाबदेह होंगे एवं इस संबंध में विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष से आवश्यक परामर्श ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ के बाहर दूसरे राज्य से आने वाले प्रश्न कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर द्वारा समाधान किये जायेंगे। इस संबंध में निदेशक विस्तार सेवायें को एक कार्यकारी आदेश जारी करने हेतु कहा गया है तथा कार्यालय निदेशक विस्तार सेवायें से स्मार्ट किसान ऐप के संचालन/निगरानी हेतु एक प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश प्राप्त हुये हैं।
- शासन द्वारा दिये गये नरवा, गरूवा, घुरवा और बाड़ी के संबंध में सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों को अपने सभी कार्यों को उपरोक्त चार अवयवों से संबंधित करते हुये कार्यों का नाम उपरोक्तानुसार करने का प्रयास करने हेतु सुझाव दिये तथा सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों से अपने–अपने जिलों/क्षेत्रों के कृषि संबंधी समस्याओं को चिन्हित करने एवं उपयुक्त समाधान तलाशने पर जोर दिया।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के राष्ट्रीय स्तर पर लिंकेज स्थापित करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर को नेतृत्व करते हुये अग्रणी भूमिका का निर्वहन करने कहा गया साथ ही अन्य

कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेष कार्यों को अन्य केन्द्रों में भी शुरू करने में मदद करने हेतु निर्देशित किये।

- कार्यक्रम के अन्त में माननीय कुलपति जी ने सभी केन्द्रों को अपने जिले के प्रभारी मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम आयोजित कर उनके समक्ष केन्द्र की सभी कार्यों से अवगत कराने के लिये सलाह दिये।
- माननीय कुलपति जी ने उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ निदेशक विस्तार सेवायें में संचालित वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग का अवलोकन किया तथा वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्र, गरियाबन्द, रायपुर, महासमुन्द के किसानों एवं वैज्ञानिकों से कृषि प्रक्षेत्र का अवलोकन करते हुये चर्चा किये। वीडियों कॉन्फ्रेन्सिंग के संबंध में डॉ. ए.एल. राठौर ने माननीय कुलपति जी को बताया कि राज्य के सभी कृषि विज्ञान केन्द्र वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग से जुड़े हुये हैं तथा इस सिस्टम के द्वारा दूरस्थ स्थानों का भी नियत समय पर निरीक्षण एवं प्रस्तुतिकरण शेयर कर सकते हैं। साथ ही डॉ. राठौर ने केवीके ई–डाटा को कृषि विज्ञान केन्द्रों की जानकारियों को डिजिटाइजेशन बताते हुये कहा कि इससे हमारी रिपोर्टिंग आसान एवं समय पर हो गई है। ये सारी गतिविधियां बिना किसी अतिरिक्त लागत के संचालित हो रही है। माननीय कुलपति जी ने कार्यालय की इस अभिनव प्रयास की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस सिस्टम को अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्रों में भी प्रयोग करने की इच्छा जताई।
- माननीय कुलपति जी ने डॉ. राठौर को इस अभिनव कार्य का DDG-ICAR के समक्ष प्रस्तुतिकरण करने हेतु निर्देशित किये जिससे देश के अन्य केन्द्रों में भी इस कम लागत व्यवस्था का लाभ लिया जा सके।

दिनांक : 28.02.2019 – कृषि विज्ञान केन्द्र : कवर्धा, बेमेतरा, राजनांदगाँव, मुंगेली एवं भाटापारा

- प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र में एक Fodder Block स्थापित करने एवं चारा फसलों के बीज उत्पादन हेतु एक संयुक्त कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिये। प्रत्येक केन्द्र कम से कम एक एकड़ क्षेत्र में 3–4 चारे वाली फसलों की अच्छी किस्मों का उत्पादन करने एवं किसानों को व्हे एवं साइलेज बनाने की विधि का जीवन्त प्रदर्शन आयोजित करने हेतु किसानों को कम से कम दो प्रशिक्षण इस वर्ष के मार्च तक आयोजित करना सुनिश्चित करें। इस संबंध में AICRP-Fodder से आवश्यक व्यय हेतु निवेदन करने का सुझाव दिये।
- प्रत्येक केन्द्र से कृषि उद्यमी तैयार किये जाने एवं कृषकों के नये व्यावसायिक विचारों को सामने लाने पर जोर दिया। इस संबंध में निदेशक विस्तार सेवायें को एक परिपत्र जारी करने का निर्देश दिया जाये।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों से किसानों को चने एवं गेहूं की अपेक्षा अलसी जैसी नकद फसल लेने हेतु प्रेरित करने की बात कही जिससे किसान इन फसलों से अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकें एवं छोटे–छोटे क्षेत्रों की अपेक्षा 100–500 एकड़ क्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित कर प्रेरित करने का सुझाव प्राप्त हुये।

- स्मार्ट किसान ऐप पर कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी तकनीकी अधिकारियों को सदस्य बनाने एवं इस ऐप के माध्यम से उत्पाद खरीदने एवं बेचने हेतु किसानों को भी रजिस्टर करने का निर्देश दिये गये।
- ई–हाट में खरीदी/बेची गई सामग्रियों के वितरण/प्राप्ति हेतु विश्वविद्यालय के छात्रों के स्टार्ट अप में शामिल करने का सुझाव दिये।
- कार्यक्रम के अन्त में माननीय कुलपति जी ने स्मार्ट किसान ऐप के बारे में विभागाध्यक्ष को प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु निर्देशित किये।

दिनांक : 01.03.2019 – कृषि विज्ञान केन्द्र : जांजगीर–चाँपा, धमतरी, कोरबा, रायगढ़ एवं बालोद

- माननीय कुलपति जी ने क्षेत्रवार प्राकृतिक रूप से उगी हुई चारे की फसलों का सर्वे कर उससे साइलेज निर्माण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिये तथा फार्म की अनुपयोगी तथा बगीचों की भूमि में चारे की फसल उगाने का सुझाव दिये तथा इन फसलों को हे एवं साइलेज बनाकर फार्म के पशुओं को पूरक आहार के रूप में देना सुनिश्चित करें।
- विश्वविद्यालय में चारे फसल के बीजों की उपलब्धता की सूचना कृषि मंत्रालय, छ.ग. को भेजने का निर्देश दिये।
- सिंचित, असिंचित क्रॉपिंग सिस्टम के लिये चारे फसलों की जानकारी, उसकी उत्पादन तकनीक, हे एवं साइलेज बनाने की विधि सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किये गये।
- चारे को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटे बिना साइलेज बनाने का परीक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर को आयोजित करने कहा गया।
- स्मार्ट किसान ऐप के प्रचार–प्रसार हेतु सभी स्व–सहायता समूह (SHGs), किसान उत्पादक संघ (FPO) एवं कृषि आदानों, विक्रेताओं हेतु संचालित डिप्लोमा कोर्स (DAESI) के सदस्यों को रजिस्टर करने का निर्देश प्राप्त हुये हैं।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्मार्ट किसान ऐप में रजिस्टर करने हेतु समय–सीमा का आधारित लक्ष्य तय करने कहा गया तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के तकनीकों एवं केन्द्र आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को छोटे–छोटे वीडियो बनाकर स्मार्ट किसान ऐप, यू–ट्यूब, फेसबुक आदि में अपलोड करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये।

दिनांक : 03.03.2019 – कृषि विज्ञान केन्द्र : अंबिकापुर, मैनपाट, बलरामपुर, कोरिया एवं जशपुर

दिनांक 3 मार्च, 2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, मैनपाट, कोरिया, जशपुर एवं बलरामपुर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक माननीय कुलपति, इं.गां.कृ.वि., रायपुर डॉ. एस.के. पाटील की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर में सम्पन्न हुई। बैठक में माननीय कुलपति द्वारा उपस्थिति सदस्यों, विशेषज्ञों, किसानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों से चर्चा उपरान्त निम्न दिशा निर्देश प्राप्त हुये हैं :–

- माननीय कुलपति द्वारा निर्देशित किया गया कि स्मार्ट किसान ऐप को सभी Extension Officers अपलोड करें एवं किसानों को अपलोड करने हेतु प्रोत्साहित करें। इस हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त, छ.ग. शासन को पत्र लिखा जाये।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, जशपुर एवं बलरामपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरिया एवं अंबिकापुर का भ्रमण करें एवं अपने केन्द्रों में भी सुधार करें। **(कार्यवाही– वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, जशपुर एवं बलरामपुर)**
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्र अपने कार्यों में छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी नरवा, गरूवा, घुरवा एवं बाड़ी को जोड़ते हुये कार्ययोजना तैयार करें। **(कार्यवाही– कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर एवं मैनपाट)**
- कृषि विज्ञान केन्द्र अपने प्रक्षेत्र में 1 एकड़ भूमि पर चारा बीज उत्पादन का कार्य अवश्य करें। **(कार्यवाही– कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर एवं मैनपाट)**
- धान के फोर्टिफिकेशन का लाइव मॉडल तैयार करें। **(कार्यवाही– कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर एवं मैनपाट)**
- सइलेज एवं व्हे के मॉडल कृषि विज्ञान केन्द्रों में अवश्य होने चाहिये। **(कार्यवाही– कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर एवं मैनपाट)**
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्र अपने प्रक्षेत्र पर Hydroponics का Low cost model तैयार करें। इस हेतु तकनीकी जानकारी प्रमुख अन्वेषक एक्रिप चारा फसलें एवं उपयोगिता तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरिया से प्राप्त करें। **(कार्यवाही– कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबिकापुर, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर एवं मैनपाट)**
- स्मार्ट किसान ऐप में किसानों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एक दिन के अन्दर देना सुनिश्चित करें। निदेशालय विस्तार सेवायें में इसकी एक समिति गठित की जावे।

दिनांक : 06.03.2019 – कृषि विज्ञान केन्द्र : कांकेर, नारायणपुर, जगदलपुर, सुकमा, दन्तेवाड़ा एवं बीजापुर

- कृषि विज्ञान केन्द्र के सभी कार्यक्रमों को 4 वर्गों में बांटा जावे– नरवा, गरूवा, घुरवा व बाड़ी।
- Smart Kisan App को अपना कर प्रचार–प्रसार किया जावे।
- सुकमा कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर व दन्तेवाड़ा कृषि विज्ञान केन्द्र की मदद लेकर अपना एक्शन प्लान तैयार करे।
- कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म पर प्राथमिकता से ध्यान देकर आदर्श फार्म बनावें।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्र चारा एवं चारा बीज उत्पादन हेतु एक एकड़ सुरक्षित करें। संभवतः सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में चारा उत्पादन की Hydroponic विधि का प्रारूप विकसित करे।
- कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर एवं जगदलपुर Processing and Value addition पर SHG को सम्मिलित कर कार्य प्रारम्भ करे ताकि उपलब्ध मशीनों का उपयोग हो।
- Organic farming हेतु संरक्षित जमीन के फसल उत्पादन का अलग से प्रस्तुतिकरण दें।

14/3/19